बिहार सरकार

सहकारिता विभाग

बिहार राज्य त्रिस्तरीय सहकारी सब्जी प्रसंस्करण एवं विपणन व्यवस्था

- बिहार सब्जी उत्पादन एवं उत्पादकता के मामले में देश के अग्रणी राज्यों में से एक
- जल, जलवायु, उपयुक्त मिट्टी एवं सब्जी उत्पादन के क्षेत्र में पारम्परिक दक्षता के कारण सब्जी उत्पादन, प्रसंस्करण, मूल्य संवर्द्धन एवं विपणन के क्षेत्र में अपार संभावना
- वर्तमान में सब्जी उत्पादकों को उत्पाद का सही मूल्य नहीं मिल पाना एवं ग्राहकों को उचित मूल्य पर गुणवत्तापूर्ण सब्जी उपलब्ध नहीं हो पाना मुख्य कठिनाईयों में शामिल
- भंडारण, शीत भंडारण, शीत श्रृंखला के अभाव के कारण **Post Harvesst Losses** तथा प्रबंधन इस प्रक्षेत्र की मुख्य समस्याएँ
- इन समस्याओं को दूर करने के लिए मंत्री परिषद् के द्वारा अत्यंत अर्थपूर्ण कदम उठाते हुए बिहार राज्य सब्जी प्रसंस्करण एवं विपणन योजना को प्रशासनिक मंजूरी

- इस योजना का मुख्य उद्धेश्य एक प्रभावी सब्जी आपूर्ति श्रृंखला का सृजन करना है जिसका मुख्य उद्धेश्य सब्जी उत्पादकों को उचित मूल्य दिलाना, ग्राहकों को उचित मूल्य पर गुणवत्तापूर्ण सब्जी की आपूर्ति सुनिश्चित करना, सब्जी प्रक्षेत्र में प्रसंस्करण एवं मूल्य संवर्द्धन करना तथा रोजगार की संभावनाओं की फलीभूत करना शामिल है
- योजना के अर्न्तगत त्रिस्तरीय सहकारी व्यवस्था के अर्न्तगत् प्रखंड स्तर पर प्राथमिक सब्जी उत्पादक सहकारी समितियों का गठन किया जायेगा जिसके सदस्य सब्जी उत्पादक किसान होगें। सब्जी उत्पादकों से सब्जी का संग्रहण कर प्रखंड स्तर पर **sorting**, **Grading,** सब्जी हाट, लधु शीत भंडारण आदि की व्यवस्था के माध्यम से योजना के उद्धेश्यों की प्राप्ति की जायेगी।

- क्षेत्रीय स्तर पर कुछ जिलों की प्राथमिक सब्जी उत्पादक सहयोग समितियॉ को मिलाकर एक सब्जी प्रसंस्करण एव विपणन संध का गठन किया जायेगा। संध स्तर पर आवश्यक अधिसंरचनात्मक – तकनिकी – प्रबंधकीय व्यवस्था के माध्यम से सब्जी का प्रसंस्करण, शीत भंडारण एवं विपणन सुनिश्चित किया जायेगा।

- शीर्ष स्तर पर सब्जी प्रसंस्करण एवं विपणन फेडरेशन का गठन किया जायेगा जो पूरे व्यवस्था को संगठनात्मक नेतृत्व तथा प्रबंधकीय एवं तकनिकी समर्थन देगा।
- प्रथम चरण में बिहार के पॉच जिलों – वैशाली, समस्तीपुर, बेगुसराय, नालंदा एवं पटना की प्रखंड स्तरीय प्राथमिक सब्जी उत्पादक सहकारी समितियों को मिलाकर एक प्रसंस्करण एवं विपणन संघ का गठन किया जायेगा जिसका मुख्यालय पटना जिलान्तर्गत अवस्थित होगा।
- योजना कार्यान्वयन के द्वितीय चरण में तीन और संघ का गठन किया जायेगा
- योजना के सफल कार्यान्वयन के लिए एक **Special Purpose Vehicle** का गठन किया जा रहा है जो कि योजना को **Turn Key Stage** तक ले जायेगा।
- योजना के कार्यान्वयन की कार्रवाई प्रारम्भ हो चुकी है तथा प्राथमिक सब्जी उत्पादक सहकारी समितियों का गठन किया जा रहा है।

योजना का अर्थपूर्ण कार्यान्वयन बिहार के कृषि अर्थव्यवस्था हेतु मील का पत्थर साबित होगा।

सहकारी उपक्रम एक बेहतर विश्व का निर्माण करते हैं।